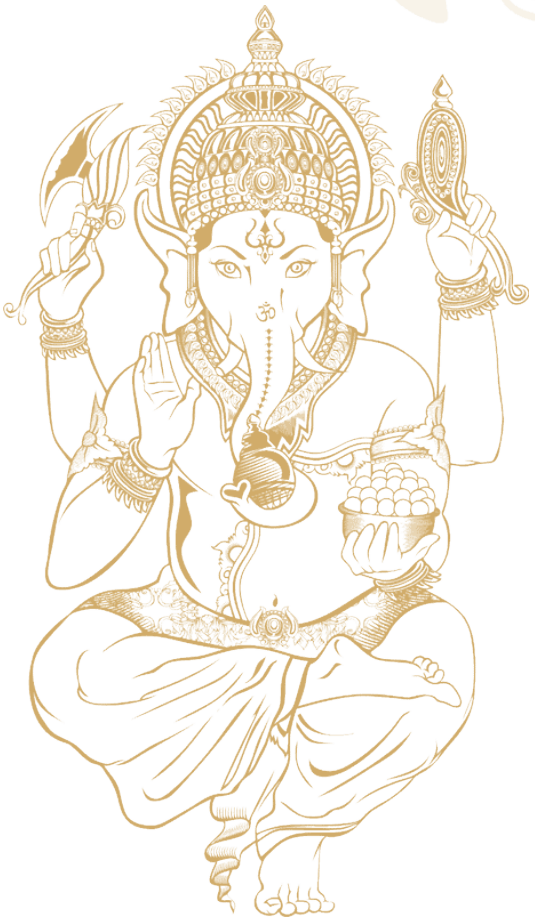

Mr.

Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121650301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121650301 Date: 20/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/06/1995	जन्म तिथि	09/06/1995
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 09:50:00	जन्म समय	13:30:00 घंटे
घटी 10:42:23	जन्म समय(घटी)	19:59:25 घटी
India	देश	India
Pilani	स्थान	Udaipur
28:22:00 उत्तर	अक्षांश	24:30:00 उत्तर
75:32:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:52	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:33:02	सूर्योदय	05:37:32
19:28:49	सूर्यास्त	19:14:09
23:47:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:45

सिंह	लग्न	कन्या
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मिथुन	राशि	तुला
बुध	राशि-स्वामी	शुक्र
आर्द्रा	नक्षत्र	चित्रा
राहु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	3
वृद्धि	योग	वरियान
किंस्तुघ्न	करण	विष्टि
ङ--	जन्म नामाक्षर	रा-राखी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
श्वान	योनि	व्याघ्र
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 8वर्ष 3मा 26दि		06:40:05	सिंह	लग्न	कन्या	08:59:13	मंगल 3वर्ष 0मा 26दि	
शनि		12:14:12	मिथु	सूर्य	वृष	24:14:42	गुरु	
24/10/2019		13:50:08	मिथु	चंद्र	तुला	00:48:54	05/07/2016	
23/10/2038		23:01:29	सिंह	मंगल	सिंह	13:10:48	05/07/2032	
शनि	26/10/2022	20:33:24	वृष	बुध व	वृष	18:08:10	गुरु	23/08/2018
बुध	05/07/2025	13:34:48	वृश्चि व	गुरु व	वृश्चि	15:43:30	शनि	05/03/2021
केतु	14/08/2026	27:31:53	वृष	शुक्र	वृष	04:34:01	बुध	11/06/2023
शुक्र	14/10/2029	00:53:59	मीन	शनि	मीन	00:21:07	केतु	17/05/2024
सूर्य	26/09/2030	09:51:48	तुला व	राहु	तुला	11:02:23	शुक्र	16/01/2027
चन्द्र	26/04/2032	09:51:48	मेष व	केतु	मेष	11:02:23	सूर्य	04/11/2027
मंगल	05/06/2033	05:36:26	मक व	हर्ष व	मक	06:11:50	चन्द्र	05/03/2029
राहु	11/04/2036	00:52:08	मक व	नेप व	मक	01:18:03	मंगल	09/02/2030
गुरु	23/10/2038	04:27:54	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	04:54:10	राहु	05/07/2032

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:48 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:45

लग्न-चलित

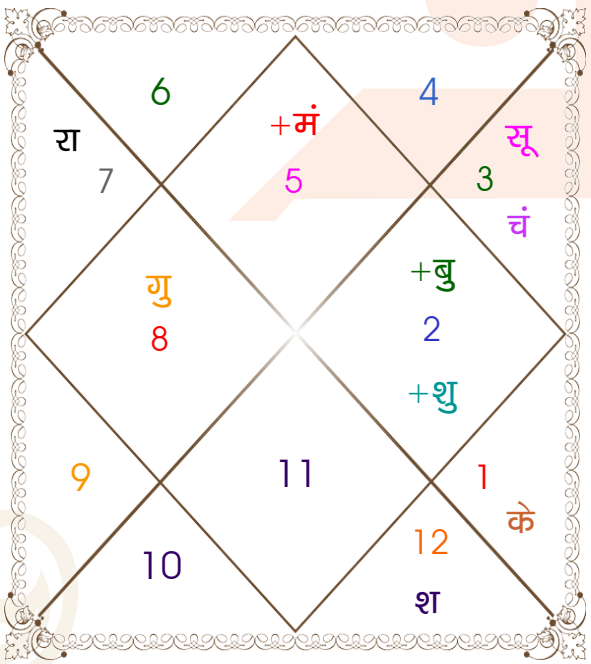

लग्न-चलित

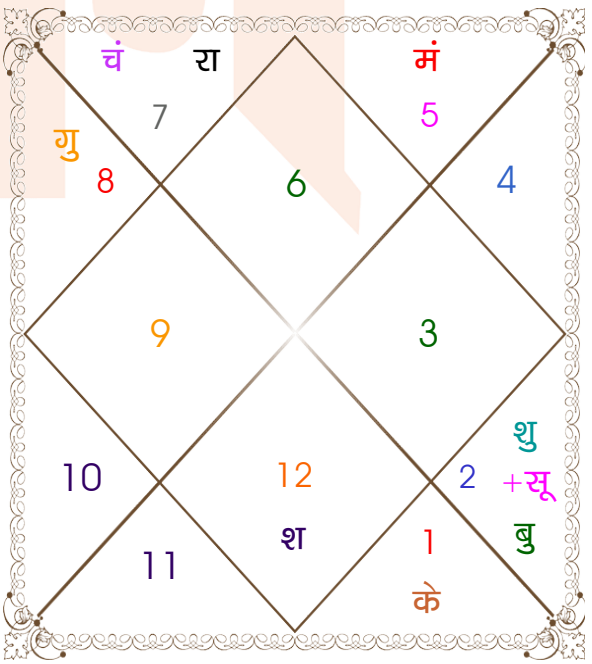

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

कुल : **20 / 36**

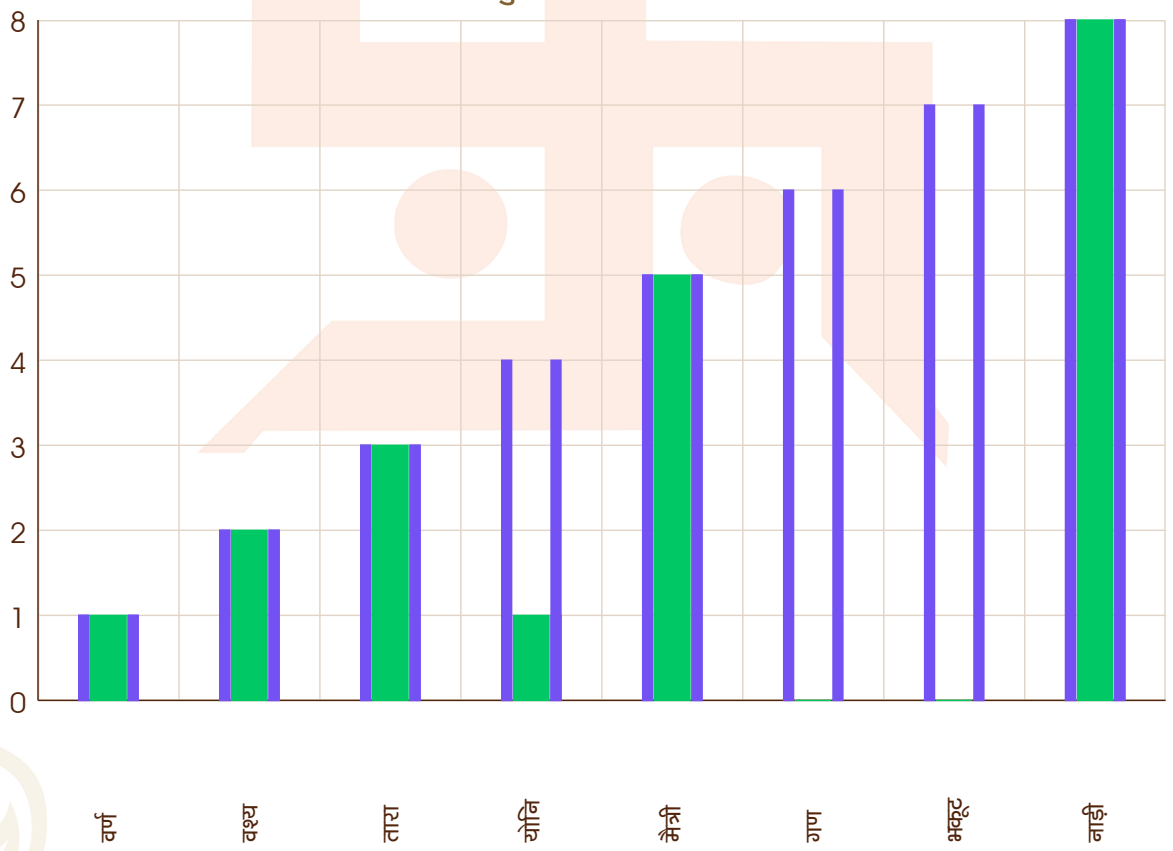

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण शूद्र है तथा Ms. का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Mr. का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms. का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr. एवं Ms. दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr. की तारा सम्पत तथा Ms. की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Mr. एवं Ms. दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Ms. एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Mr. की योनि श्वान है तथा Ms. की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव

ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. एवं Ms. के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr. एवं Ms. जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr. का गण मनुष्य तथा Ms. का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms. का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Mr. एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Mr. से Ms. की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Ms. से Mr. की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण Ms. को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी आद्य है तथा Ms. की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा Ms. की राशि वायु तत्व युक्त तुला राशि है। वायुतत्व की वायु तत्व से मित्रता एवं समानता नैसर्गिक रूप से होती है। अतः Mr. और Ms. में स्वभावगत समानताएं रहेंगी। अतः इनके संबधों में प्रगाढ़ता होगी जिससे Mr. और Ms. का दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा

Mr. का राशि स्वामी बुध तथा Ms. का राशि स्वामी शुक्र परस्पर मित्र हैं। अतः Mr. और Ms. के प्रति परस्पर मतभेदों तथा विवादों की न्यूनता रहेगी तथा परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे एवं दोषों की उपेक्षा करेंगें इस प्रकार से दोनों एक दूसरे को पूर्ण सुख, सहयोग एवं सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समर्पण की भावना भी विद्यमान रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr. और Ms. की राशि एक दूसरे से पंचम एवं नवम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष है। अतः इसके प्रभाव से Mr. ओर Ms. के मध्य मतभेद उत्पन होगें तथा दोनों की स्वाभिमानी प्रवृति के कारण संबंधों में अल्प समय के लिए तनाव उत्पन हो सकता है परन्तु बुद्धिमता से ऐसी परिस्थितियों का सामना करके ये मतभेदों को दूर करने में समर्थ रहेंगे।

Mr. एवं Ms. दोनों का वश्य मानव है। अतः आपकी परस्पर अभिरूचियों में समानता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समान आवश्यकताए होंगी जिससे कामसबंधों मे एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने मे समर्थ रहेगें इससे Mr. और Ms. का दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं संबधों मे मधुरता रहेगी।

Mr. और Ms. दोनों का वर्ण शुद्र है अतः दोनों की रूचि एवं कार्यक्षमता समान रहेगी फलतः कार्यक्षेत्र में यथोचित उन्नति एवं सफलताएं अर्जित करेगें ।

धन

Mr. की तारा सम्पत तथा Ms. की तारा अतिमित्र है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा इच्छित मात्रा में धनार्जन करने में समर्थ होंगे तथा अन्यत्र भी लाभ मार्ग नित्य प्रशस्त रहेंगे। भकूट का इनकी आर्थिक स्थिति पर कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा। लेकिन Mr. पर मंगल के दुष्प्रभाव के कारण आर्थिक क्षेत्र में यदा कदा व्यवधान या विषमता की स्थिति आ सकती है परन्तु यह अल्प समय के लिए होगा।

Mr. एक धनाढ्य तथा भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा Ms. के शुभ प्रभाव से धन वृद्धि में तत्पर रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से Ms. की प्रवृति यदा कदा अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा व्यर्थ के विलासमय वस्तुओं पर मुक्त भाव से व्यय करेंगी। अतः Ms. को चाहिए

कि ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें।

स्वास्थ्य

Mr. की नाड़ी आद्य तथा Ms. की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इनका स्वास्थ्य अच्छा ही रहेगा परन्तु मंगल का दोनों के ऊपर दुष्प्रभाव होगा जिससे दोनों धातु या गुप्त रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही Mr. हृदय रोग संबधी परेशनियों से युक्त रहेंगे जिससे शारीरिक क्षीणता रहेगी तथा Ms. को गर्भपात की संभावना होगी। मंगल के प्रभाव से Mr. के पुरूषत्व में न्यूनता आएगी तथा Ms. भी उदासीनता का भाव प्रदर्शित करेंगी फलतः उनके दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता का आभास होगा। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Mr. और Ms. को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही मूंगा धारण करना दोनों के लिए श्रेयष्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ms. धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ms. के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं

सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ms. का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ms. से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr. के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि Mr. तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से Mr. के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।